PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 41 शनिवार, अगस्त 22, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

सांसद अविनाश रेड्डी के आवास से भारी मात्र में नकदी जब्तः ईडी

(पेन पॉवर न्यूज):
हैदराबाद, 21 अगस्तः प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि कडपा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी के आवास से 24 लाख की बेहिसाबी नकदी जब्त की गई है। पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड के संबंध में ईडी ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी किया। ईडी ने बताया कि सांसद के आवास से दो बैंक लॉकरों की चाबियां भी जब्त की गईं। ईडी ने याद दिलाया कि दस्तगिरी ने खुलासा किया था कि विवेकानंद रेड्डी की हत्या की साजिश हत्या से एक महीने पहले ही रची गई थी। ईडी के अनुसार, हत्या के लिए देवीरेड्डी शिवशंकर रेड्डी ने घ्40 करोड़ की पेशकश की थी। ईडी ने बताया कि एर्रा गंगिरेड्डी ने 40 करोड़ में से 5 करोड़ बतौर हिस्से के रूप में दस्तगिरी को देने का लालच दिया था। ईडी ने कहा कि सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर और दाखिल चार्जशीट के आधार पर म्ब्त दर्ज किया गया। ईडी ने बताया कि IPC की धारा 120B और 302 तथा च्डस। के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईडी ने स्पष्ट किया कि तलाशी के दौरान अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। ईडी के अनुसार, हैदराबाद और कडपा शहरों में कुल सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

सदन का सामना करने का साहस नहीं, इसलिए भागेः विधायक जी.वी. अंजनेयुलु

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 21 अगस्तः सरकारी मुख्य सचेतक और विनुकोंडा विधायक जी.वी. अंजनेयुलु ने विधानसभा से अनुपस्थित रहने वाले 11 वाईएसआरसीपी विधायकों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि सदन का सामना करने का साहस नहीं होने के कारण उन्होंने मुंह छिपा लिया। उन्होंने सवाल किया कि जनता की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए जनता द्वारा चुने गए विध ायक विधानसभा में क्यों नहीं आए। उन्होंने कहा कि वेतन लेते हुए जनता की समस्याओं की अनदेखी करना उचित नहीं है। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि सदन का सामना करने का साहस नहीं होने के कारण वाईएसआरसीपी विधायक विधानसभा से दूर रहे।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की ओर से बोलने का साहस दिखाने के बजाय वे लोकतंत्र के मंदिर जैसी विधानसभा से भाग गए और "पुलिवेंदुला की बिल्लियों" जैसे बन गए। उन्होंने कहा कि चार दिनों तक चले विधानसभा सत्र में सार्थक चर्चा हुई और सदन 25 घंटे 15 मिनट तक चला। उन्होंने बताया कि इन बैठकों में 103 सदस्यों ने अपने विचार रखे। यदि वाईएसआरसीपी के 11 विधायक भी उपस्थित रहते तो 11 और सदस्यों को जनता की समस्याएं उठाने का अवसर मिलता। जी. वी. अंजनेयुलु ने तंज कसते हुए कहा कि डीएससी मुद्दे पर मंत्री नारा लोकेश द्वारा विधानसभा में बताए गए तथ्यों से वाईएसआरसीपी नेताओं का "माइंड ब्लॉक" हो गया। उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात है कि एपीपीएससी और डीएससी के बीच अंतर नहीं जानने वाला व्यक्ति पांच साल तक मुख्यमंत्री रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में एपीपीएससी में हुई कथित अनियमितताओं पर जवाब देना पड़े गा, इसी डर से वाईएसआरसीपी नेता ताडेपल्ली पैलेस में छिपे हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दूसरी ओर वाईएसआरसीपी विधान परिषद में हंगामा कर रही है। उन्होंने वाईएसआरसीपी विधायकों से जनता की समस्याओं पर रचनात्मक चर्चा के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के रूप में विध ानसभा में उपस्थित होकर अपनी बात रखना उनकी जिम्मेदारी है।

पुलिस स्टेशन में राहुल का धरना

- पेलेट गन हमले में घायल छात्र के समर्थन में विपक्ष के नेता का धरना
- एफआईआर दर्ज करने की मांग
- दिल्ली पुलिस ने किया इनकार
- राहुल ने छह घंटे तक दिया धरना
- आखिरकार पुलिस ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसी): पिछले महीने दिल्ली में छात्रों द्वारा निकाली गई 'चलो संसद' रैली के दौरान पुलिस द्वारा पेलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए एक छात्र के समर्थन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने धरना दिया। उक्त घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच करने की मांग को लेकर 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब और उसकी मां दिल्ली के कई पुलिस थानों के चक्कर लगा चुके थे, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इसके बाद उन्होंने अपनी समस्या राहुल गांधी के संज्ञान में लाई।
इसके चलते राहुल गांधी शुक्रवार को उनके साथ मंदिर मार्ग पुलिस थाने पहुंचे। बताया गया कि पेलेट गन हमले में लोचब की आंख में तीन पेलेट लगे हैं और करीब 200 पेलेट उसके शरीर में घुस गए हैं। डॉक्टरों ने दिल के पास मौजूद कुछ पेलेट निकालना जोखिम भरा बताते हुए उन्हें नहीं निकाला। फिलहाल छात्र को अपनी आंखों की रोशनी खोने का खतरा बना हुआ है। राहुल गांधी ने पुलिस अधिकारियों से इस घटना पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करने से इनकार किए जाने के बाद राहुल गांधी और अन्य लोग संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने पहुंचे और दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा से मुलाकात की। उनके द्वारा भी एफआईआर दर्ज करने पर सहमति नहीं जताए जाने के बाद राहुल गांधी ने पुलिस थाने के परिसर में ही ध रना शुरू कर दिया।
राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि पुलिस अधिकारी बता रहे हैं कि ऊपर से आदेश नहीं मिलने के कारण एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने तक वह वहां से नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ी तो छह महीने तक भी धरने पर बैठे रहेंगे। उन्होंने लोचब की आंख में तीन पेलेट लगने की पुष्टि करने वाली उस अस्पताल की रिपोर्ट भी दिखाई, जहां उसका ऑपरेशन हुआ था। साथ ही उन्होंने लोचब के शरीर से डॉक्टरों द्वारा निकाले गए कुछ धातु के पेलेट भी दिखाए।

अधिकारों को कुचला जा रहा है

धरना जारी रहने के दौरान राहुल गांधी ने इसी मुद्दे पर एक्स पर भी एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि '20 जुलाई को जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे लोचब पर पेलेट गन से हमला किया गया। जब लोचब ने न्याय की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को कहा तो पुलिस ने इनकार कर दिया। न्याय से अमित शाह को इतना डर क्यों लगता है? एफआईआर दर्ज कर जांच की जानी चाहिए। छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता के लिए ऊपर से नीचे तक जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। मैं हर छात्र के साथ खड़ा रहूंगा।' प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेता भी वहां पहुंचे और धरने में शामिल हुए। धरना करीब छह घंटे तक जारी रहा। आखिरकार पुलिस पीछे हटी और एफआईआर दर्ज की। इसके बाद राहुल गांधी ने अपना धरना समाप्त कर दिया।
इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह न्याय की दिशा में उठाया गया केवल पहला कदम है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कुछ घंटों तक विरोध प्रदर्शन करने के बाद ही पेलेट गन से घायल छात्र की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाती है, तो देश में न्याय की मांग लेकर पुलिस के पास जाने वाले आम लोगों की स्थिति क्या होगी?
उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के सचिव और अमित शाह से मंजूरी मिलने के बाद ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इससे समझा जा सकता है कि अब तक उन्हें कौन रोक रहा था।
सस्ती राजनीतिः जेपी नड्डा
राहुल गांधी के धरने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि यह प्रदर्शन छात्रों के लिए नहीं, बल्कि मीडिया कवरेज हासिल करने के लिए किया गया था। उन्होंने सवाल किया कि 'चलो संसद' रैली में हुई हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच समिति गठित किए जाने के बाद भी इस तरह धरना देने की क्या जरूरत है।

उय्यूरु में डायरिया को लेकर झूठी बातें फैलाई जा रही हैंः मंत्री नारायण

उय्यूरु, 21 अगस्तः नगर प्रशासन मंत्री नारायण ने उय्यूरु में डायरिया को लेकर कथित रूप से झूठी जानकारी फैलाने वालों पर नाराजगी जताई। शुक्रवार को उन्होंने उय्यूरु सरकारी अस्पताल का दौरा कर डायरिया से पीड़ित मरीजों से मुलाकात की। उन्होंने स्थानीय 5वें वार्ड के डायरिया प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।
बाद में मंत्री नारायण ने बताया कि अस्पताल में 9 लोग उपचाराध ीन हैं। उन्होंने कहा कि उय्यूरु और आसपास के गांवों से कुल 11 लोग डायरिया के कारण अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इनमें से केवल 6 लोग उय्यूरु नगरपालिका क्षेत्र के हैं। उन्होंने

स्पष्ट किया कि सभी मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है।
मंत्री नारायण ने बताया कि एक व्यक्ति 17 अगस्त को दिल का दौरा पड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती हुआ था और उसकी मौत हो गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस व्यक्ति की मौत और डायरिया के बीच कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि उय्यूरु नगरपालिका द्वारा सप्लाई की जाने वाली पानी की पाइपलाइन का अन्य गांवों की जलापूर्ति लाइनों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अभी स्पष्ट होना बाकी है कि डायरिया नगरपालिका की पाइपलाइन में प्रदूषण के कारण हुआ या आरओ प्लांट की किसी समस्या के कारण।
मंत्री नारायण ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पेयजल में किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया नहीं पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 योजना के तहत राज्य की 123 नगरपालिकाओं में पुरानी पाइपलाइनों को बदला जा रहा है। उन्होंने बताया कि उय्यूरु में अमृत 2.0 के तहत घ्98 करोड़ की लागत से कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री नारायण के साथ विधायक बोडे प्रसाद, पूर्व एमएलसी बाबू राजेंद्रप्रसाद और जेसी नवीन मौजूद थे।

दशहरा से पहले इंद्रकीलाद्री पर श्रद्धालुओं को बेहतर सेवाएंः मंत्री अनम

(पेन पॉवर न्यूज):
विजयवाड़ा, 21 अगस्तः ध र्मार्थ एवं बंदोबस्ती मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने कहा कि आगामी दशहरा उत्सव से पहले इंद्रकीलाद्री पर श्रद्धालुओं के लिए और बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शुक्रवार को उन्होंने इंद्रकीलाद्री पहाड़ी के नीचे घ्52 करोड़ की लागत से निर्मित नए अन्नदान भवनों का उद्घाटन किया। बाद में मंत्री अनम ने बताया कि इन भवनों में एक समय में 800 लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मैकेनाइज्ड किचन में नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।
उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश के मंदिरों में हर साल करीब 3 करोड़ श्रद्धालुओं को अन्नदान किया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इंद्रकीलाद्री के लिए दूसरी घाट रोड बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इससे संबंधित रिपोर्ट तैयार की जा रही है और जल्द ही टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। कांची पीठ ने घाट रोड पर 25 फीट

ऊंची आदि शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापित करने का अनुरोध ा किया था और सरकार ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने कहा कि राज्य के मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है।

दशहरा की तैयारियां शुरूः सांसद केशिनेनी चिन्नी

विजयवाड़ा के सांसद केशिनेनी चिन्नी ने बताया कि घ्50 करोड़ की धनराशि से नए अन्नदान भवनों का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इंद्रकीलाद्री पर विराजमान देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आने वाले दिनों में इंद्रकीलाद्री पर और अधिक विकास कार्य किए जाएंगे।
सांसद केशिनेनी चिन्नी ने बताया कि कुछ ही दिनों में शारदीय नवरात्रि उत्सव शुरू होने वाला है और इसके लिए तैयारियां पहले ही शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम में दुर्गा मंदिर के ईओ शीना नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रियंका की मौत के मामले में आरोपियों की रिमांड बढ़ी

(पेन पॉवर न्यूज):
राजमहेंद्रवरम, 21 अगस्तः पीजी मेडिकल छात्रा प्रियंका की मौत के मामले में आरोपियों की न्यायिक रिमांड अदालत ने एक बार फिर बढ़ा दी है। अदालत ने शुक्रवार को आरोपियों सुरवरापु दस्वंत और एंड्रयू जोसेफ एडवर्ड्स की रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ाते हुए उन्हें 3 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दो दिन की पुलिस कस्टडी पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपियों को राजमहेंद्रवरम सेंट्रल जेल के कर्मचारियों के हवाले कर दिया।
3 अगस्त को राजमहेंद्रवरम के प्रसाद आदित्य मॉल के पास सुरवरापु दस्वंत और एंड्रयू जोसेफ एडवर्ड्स ने कथित तौर पर शराब के नशे में तेज गति से कार चलाई। इसी दौरान उन्होंने स्कूटी से जा रहे मेडिकल छात्रों को कार से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कारण मेडिकल छात्रा प्रियंका स्कूटी से नीचे गिर गई। इसके बाद कार से उसे कई बार जोरदार टक्कर मारी गई। इस घटना में प्रियंका गंभीर रूप से घायल हो गई।

इसके बाद आरोपी कार से मौके से फरार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रियंका को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए उसे हैदराबाद ले जाया गया। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 9 अगस्त को प्रियंका की मौत हो गई।
आंध्र प्रदेश सरकार ने प्रियंका की मौत के मामले को गंभीरता से लिया है और पुलिस विभाग को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

शावुकारु जानकी के निधन पर सीएम चंद्रबाबू और लोकेश ने जताया शोक

अमरावती, 21 अगस्तः मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और मंत्री नारा लोकेश ने वरिष्ठ अभिनेत्री और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित शावुकारु जानकी के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकी भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनके द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों के माध्यम से वह हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी। मंत्री लोकेश ने कहा कि अपने विविधतापूर्ण किरदारों के जरिए उन्होंने तेलुगु दर्शकों के दिलों में अमिट स्थान बनाया।

सीएम चंद्रबाबू की पोस्ट

"वरिष्ठ अभिनेत्री शावुकारु जानकी (94) के आकस्मिक निधन से मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने वाली और अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाली शावुकारु जानकी भले ही शारीरिक रूप से हमसे दूर हो गई हैं, लेकिन अपने द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों के माध्यम से वह हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगी। मैं ईश्वर से शावुकारु जानकी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं," मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर पोस्ट किया।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों की बदहाली सुधारने के लिए 'कॉकरोच' आगे बढ़े

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों स्कूल न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में अनेक कमियों के साथ बदहाल स्थिति में हैं। लेकिन शासक इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। यदि कुछ दिनों के लिए भी उनके बच्चों को ग्रामीण स्कूलों में पढ़ाया जाए, तो उन्हें स्कूली बच्चों की परेशानियों का एहसास होगा। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए सरकार को कदम उठाने के लिए मजबूर करने हेतु जनता को आंदोलन चलाना चाहिए, ऐसा कॉकरोच जनता पार्टी ने आह्वान किया है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की दयनीय स्थिति को सरकार के ध्यान में लाने और कार्रवाई के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापकों ने बुधवार (19 अगस्त 2026) को 'स्कूल ठीक करो' नामक अभियान शुरू किया था। एक ओर प्रधानमंत्री सिटिजन असिस्टेंस एंड रिलीफ इन इमरजेंसी सिचुएशंस फंड में 8,452 करोड़ पड़े हुए हैं, वहीं दूसरी ओर स्कूली बच्चे अपने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में परेशान हैं। ऐसे हालात में PM CARES फंड का इस्तेमाल स्कूलों के विकास के लिए क्यों नहीं किया जाना चाहिए, यह सवाल पार्टी की ओर से उठाया गया है। सभी सुविधाओं से युक्त एक स्कूल भवन बनाने में कम से कम घ्8 करोड़ खर्च होते हैं। च्ड ब्।त्म् फंड में मौजूद 8,452 करोड़ से 1,000 से अधिक स्कूल बनाए जा सकते हैं, यह सुझाव भी उचित है। च्ड ब्।त्म् फंड की स्थापना आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता के लिए की गई थी। हालांकि, इन निधियों के प्रबंधन और उपयोग में पारदर्शिता की कमी को लेकर जनता में कई सवाल उठ रहे हैं। बड़ी मात्रा में धनराशि खर्च हुए बिना पड़ी हुई है। ऐसे में इन निधियों का इस्तेमाल स्कूलों जैसे अत्यावश्यक विकास कार्यों के लिए किया जाए तो बेहतर होगा। इसके लिए कॉकरोच जनता पार्टी जैसे राजनीतिक रूप से गैर–पक्षपाती संगठन जनदबाव बनाकर सरकार को कदम उठाने के लिए मजबूर कर सकते हैं। UDISE+ 2024–25 रिपोर्ट के अनुसार देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मिलाकर कुल 14,71,473 स्कूल हैं, जबकि संसद में उपलब्ध जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 12,34,788 स्कूल हैं।

इनमें 1,04,000 से अधिक स्कूल केवल एक शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। इनमें से 89ः स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जो उल्लेखनीय है। एक ही शिक्षक को एक साथ कई कक्षाओं को पढ़ाना पड़ता है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। बिहार और झारखंड जैसे राज्यों के ग्रामीण स्कूलों में अत्यधिक भीड़ है। झारखंड में छात्र–शिक्षक अनुपात 47:1 तक दर्ज किया गया है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में संविदा शिक्षकों या पर्याप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण नहीं रखने वाले शिक्षकों पर अधिक निर्भरता है। लगभग 1.19 लाख स्कूलों में बिजली की सुविधा नहीं है। इससे डिजिटल शिक्षा प्रभावित होने के साथ–साथ उचित शैक्षणिक वातावरण भी उपलब्ध नहीं हो पाता। हाल ही में नीति आयोग द्वारा किए गए एक आकलन के अनुसार लगभग 8,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं हैं। वहीं 61,000 से अधिक स्कूलों में शौचालय इस्तेमाल करने लायक स्थिति में नहीं हैं। सुरक्षित और गोपनीय मासिक धर्म स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में कुछ लड़कियां आठवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर हो रही हैं। लगभग 59,829 स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा नहीं है, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ रहा है। करीब 1.19 लाख स्कूल बिना बिजली कनेक्शन के चल रहे हैं। ग्रामीण स्कूलों में केवल 44-9% स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। कंप्यूटर लैब भी अक्सर बंद पड़ी रहती हैं। बिजली की समस्या के साथ इंटरनेट का अभाव और कंप्यूटर का ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की कमी इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। 51% से अधिक स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाएं नहीं हैं। परिणामस्वरूप छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव बहुत कम मिलता है और उन्हें केवल सैद्धांतिक तथा रटने वाली शिक्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। 60% से अधिक स्कूलों में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए रैंप और अलग शौचालय जैसी सुविधाएं नहीं हैं, जिससे दिव्यांग विद्यार्थियों को परेशानी होती है। बेंच और डेस्क नहीं होने के कारण कई जगह छात्रों को गीली जमीन पर बैठना पड़ता है। अनेक प्राथमिक स्कूलों में छतों से पानी टपकना, दीवारों में दरारें, निर्माण कार्यों में देरी और कई अन्य समस्याएं बनी हुई हैं। बारिश के मौसम में कई भवनों को छोड़ना तक पड़ता है। कई क्षेत्रों में संसाधनों, धन और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी लगातार बनी हुई है। वेतन के भुगतान में देरी जैसी समस्याओं के कारण शिक्षक निरुत्साहित होते हैं और अक्सर कक्षाओं से अनुपस्थित रहने की शिकायतें सामने आती हैं। अधिकारियों की निगरानी लगातार केवल छात्र नामांकन बढ़ाने पर केंद्रित रहती है, जबकि बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। केवल छात्र नामांकन बढ़ना ही शिक्षा व्यवस्था के विकास का पैमाना नहीं हो सकता। प्रत्येक स्कूल में बिजली, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध होने पर ही छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकती है। केंद्र सरकार शिक्षा के लिए अपने ळक्च का लगभग 4.3ः ही आवंटित कर रही है। विशेषज्ञ शिक्षा पर GDP का 6% खर्च करने की सलाह देते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य की तुलना में यह आवंटन काफी कम माना जा सकता है।

क्या Gen-Z होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है?

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को 'त्वद्ठ्-' बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को 'त्वद्ठ्-' बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह 'यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी।' यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है? बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर बहस करता पर्यटक समूह। महिला पर्यटक का यह तर्क कि 'हम त्वद्ठ्- हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे ', दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। त्वद्ठ्- होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए। देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही नियंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई 'एंटी-टूरिस्ट' रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं। बर्फीली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है। देश पुलवामा में सुरक्षा बलों के काफिले पर हुए आतंकी हमले की भयावहता देख चुका है और पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले की त्रासदी भी झेल चुका है। ऐसे अनुभव साफ बताते हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर एक छोटी-सी चूक कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए पर्यटकों को यह समझना होगा कि जब सेना या सुरक्षा बल किसी रास्ते को बंद करते हैं या आगे बढ़ने से रोकते हैं, तो हर निर्णय के पीछे की वजह कैमरे के सामने बताना संभव नहीं होता। ऐसे में जवान से बहस करना, वीडियो बनाकर उस पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाना या सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करना केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीरता को न समझ पाने का उदाहरण है। सुरक्षा के मामले में सहयोग और धैर्य ही समझदारी है, क्योंकि कई बार जिस खतरे को आम नागरिक देख नहीं सकता, उसे रोकने के लिए ही जवान वहां खड़ा होता है। साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते हैं कि वे सैकड़ों किलोमीटर दूर से वहां पहुंचे हैं। लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि लंबी यात्रा किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश का अधिकारपत्र नहीं बन जाती। यदि किसी क्षेत्र के लिए परमिट जरूरी है तो पहले उसकी जानकारी लेना और नियमों का पालन करना पर्यटक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से लद्दाख और अन्य संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में नियम परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। सैन्य प्रतिष्ठानों, चेक पोस्टों और रणनीतिक स्थानों पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित हो सकती है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू वह भाषा और रवैया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को व्यक्तिगत अधिकारों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश दिखाई देती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन संवेदनशील सैन्य चौकी पर ऑपरेशन या सुरक्षा प्रतिबंध के दौरान बहस करके आदेश बदलवाने का अधिकार किसी को नहीं है। संसद, टैक्स या किसी पीढ़ी का नाम लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को चुनौती देना न तो लोकतंत्र को मजबूत करता है और न ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करता है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली जोकि स्वाभाविक है। लोगों ने महिला पर्यटक और उसके साथियों के रवैये को अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। 'त्वद्ठ्-' वाली टिप्पणी पर मीम्स भी बन रहे हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है। यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं।

नीरज कुमार दुबे बुरे काम का नतीजा बुरा नतीजा

हम आपको बता दें कि पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को तिहाड़ जेल से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की ओर से उनकी मौत के कारण को लेकर तत्काल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार का गुरुवार को दिल्ली में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। एक समय ग्रामीण और बाहरी दिल्ली की राजनीति के सबसे ताकतवर चेहरों में गिने जाने वाले, जाट समाज में व्यापक जनाधार रखने वाले और राष्ट्रीय राजधानी की सियासत में कांग्रेस की सत्ता का मजबूत स्तंभ रहे सज्जन कुमार की जिंदगी आखिरकार एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुई, जिसे उनके राजनीतिक उत्थान और बाद के पतन की पूरी कहानी के रूप में देखा जा सकता है। सत्ता के शिखर से लेकर तिहाड़ जेल तक का उनका सफर इस कड़वे सच की याद दिलाता है कि बुरे काम का अंजाम बुरा ही होता है। हम आपको बता दें कि पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को तिहाड़ जेल से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की ओर से उनकी मौत के कारण को लेकर तत्काल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। सज्जन कुमार अपने जीवन के अंतिम वर्षों में 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में मिली उम्रकैद की सजा काट रहे थे। हम आपको बता दें कि सज्जन कुमार दिल्ली की राजनीति में 1970 के दशक से ही प्रभावशाली चेहरा बनकर उभरे थे। उन्होंने 1977 में पार्षद के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और इसके बाद बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से तीन बार सांसद चुने गए। ग्रामीण दिल्ली और जाट बहुल इलाकों में उनकी पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती थी। 1980 के दशक में वह दिल्ली कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल थे। स्थानीय संगठन, ग्रामीण मतदाता और जाट समाज में उनके मजबूत आधार ने उन्हें कांग्रेस की राजनीति का बड़ा खिलाड़ी बना दिया था। एक समय ऐसा था जब बाहरी दिल्ली की राजनीति में सज्जन कुमार का नाम ही सत्ता और प्रभाव का पर्याय माना जाता था। लेकिन जिस राजनीतिक ताकत ने उन्हें दशकों तक प्रभावशाली बनाए रखा, वही ताकत 1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपों और फिर लंबे कानूनी संघर्ष के सामने धीरे-धीरे कमजोर पड़ती चली गई। हम आपको याद दिला दें कि 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद देश, विशेषकर दिल्ली में सिख विरोधी हिंसा भड़क उठी थी। इसके पीछे ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद पैदा हुई परिस्थितियों को भी महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि के रूप में देखा गया था। दिल्ली में कई दिनों तक हिंसा का भयावह दौर चला था। सिखों के घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया था। हजारों लोगों की जान गई। अलग-अलग आकलनों में मृतकों की संख्या अलग रही, लेकिन दिल्ली में 2,700 से अधिक सिखों के मारे जाने की पुष्टि हुई, जबकि देशभर में मृतकों की संख्या 3,000 से अधिक बताई गई। इसी हिंसा से जुड़े कई मामलों में सज्जन

कुमार का नाम सामने आया। उन पर हिंसक भीड़ का नेतृत्व करने, लोगों को उकसाने, आपराधिक साजिश और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने जैसे गंभीर आरोप लगे। अगले तीन दशकों से अधिक समय तक उनके खिलाफ मुकदमों का सिलसिला चलता रहा और कई मामलों में उन्हें कभी राहत मिली तो कभी कानूनी शिकंजा कसता गया। सज्जन कुमार के राजनीतिक और कानूनी जीवन का सबसे बड़ा मोड़ 17 दिसंबर 2018 को आया। दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत के 2013 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें उन्हें बरी कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने सज्जन कुमार को 1984 के दंगों के दौरान दिल्ली के राज नगर पार्ट-1, पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने से जुड़े मामले में दोषी ठहराया। अदालत ने उन्हें आपराधिक साजिश और हिंसा के लिए उकसाने सहित गंभीर अपराधों का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अपने फैसले में दिल्ली हाईकोर्ट ने 1984 की सिख विरोधी हिंसा को 'मानवता के खिलाफ अपराध' तक करार दिया था। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि सज्जन कुमार को अपने प्राकृतिक जीवन के शेष समय तक जेल में रहना होगा। यहीं से वह नेता, जो कभी दिल्ली की सत्ता के गलियारों में बेहद प्रभावशाली माना जाता था, तिहाड़ जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गया। हम आपको यह भी बता दें कि 1984 के दंगों से जुड़े आरोपों के बावजूद कांग्रेस लंबे समय तक सज्जन कुमार के साथ खड़ी रही। वह पार्टी के बड़े नेताओं में गिने जाते रहे और वर्षों तक पार्टी की राजनीतिक व्यवस्था का हिस्सा बने रहे। हालांकि समय के साथ राजनीतिक दबाव बढ़ता गया। 2009 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने सज्जन कुमार और जगदीश टाइटलर को दिए गए चुनाव टिकट वापस ले लिए थे। इसके बाद सज्जन कुमार धीरे-धीरे पार्टी के भीतर हाशिये पर चले गए। 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट से उम्रकैद की सजा मिलने के बाद उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही कांग्रेस के साथ उनका औपचारिक रिश्ता समाप्त हो गया। जिस पार्टी में वह कभी दिल्ली की राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल थे, उसी पार्टी से उनका राजनीतिक सफर अंततः अलगाव और हाशिये पर खत्म हुआ। साथ ही 2018 की सजा सज्जन कुमार के खिलाफ अंतिम कानूनी कार्रवाई नहीं थी। फरवरी 2025 में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 1984 के दंगों से जुड़े एक अन्य मामले में भी उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला सरस्वती विहार क्षेत्र में भीड़ के हमले से जुड़ा था, जिसमें पिता-पुत्र जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह को कथित रूप से जिंदा जलाकर मार दिए जाने का मामला सामने आया था। अभियोजन पक्ष ने सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उनकी उम्र और स्वास्थ्य समेत अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। इस तरह सज्जन कुमार को 1984 की हिंसा से जुड़े अलग-अलग मामलों में एक से अधिक बार उम्रकैद की सजा मिली और वह जीवन के अंतिम समय तक तिहाड़ जेल में ही रहे। साथ ही इस वर्ष जनवरी में सज्जन कुमार को 1984 के दंगों से जुड़े जनकपुरी और विकासपुरी क्षेत्रों के हिंसा भड़काने के आरोप वाले दो अलग-अलग मामलों में दिल्ली की अदालत से बरी कर दिया गया था।

आज का राशि फल

मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशिः** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

लखनऊ हत्याकांड- मैनेजर पत्नी ने डेढ़ करोड़ मांगे थे

ननद के साथ नहीं रहना चाहती थी, एसबीआई अफसर ने 30 मिनट में पूरा परिवार खत्म किया

दिव्या मानस शीबा

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ हत्याकांड- 2 दिन रेकी, 30 मिनट में 2 हत्याएं और सुसाइड। पुलिस की शुरुआती जांच में वारदात की 2 वजह सामने आई हैं। पहली- बैंक मैनेजर दिव्या मिश्रा ने तलाक के लिए एसबीआई अफसर पति मानस बाजपेयी से डेढ़ करोड़ रुपए गुजारा-भत्ता (एलिमनी) मांग रही थी। दूसरी- दिव्या, मानस की मानसिक बीमार बहन शीबा के साथ नहीं रहना चाहती थी।

18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में तलाक मामले में सुनवाई थी। इस दौरान मानस और दिव्या के बीच एलिमनी को लेकर विवाद हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मानस इतना परेशान हो गया कि उसने पत्नी और बहन की हत्या करके सुसाइड करने की प्लानिंग कर डाली। उसने 3 पिस्तौल खरीदी और 2 दिन तक पत्नी की रेकी की।

गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मानस ऑटो से सीधे पत्नी दिव्या के आईसीआईसीआई बैंक पहुंचा। दिव्या को फोन करके बाहर बुलाया। दोनों के बीच पहले विवाद और मारपीट हुई, फिर मानस ने दिव्या के चेहरे पर सटाकर दो गोली मार दी। पूरी घटना बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

इसके बाद वह ऑटो से ही मौके से भाग गया। पसीने से तरबतर होकर 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा बंद किया। टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद बहन शीबा के सिर में गोली मार दी। फिर खुद की कनपटी में गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

मानस की पत्नी दिव्या, यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थीं। प्रज्ञा ने आरोप लगाए हैं कि उनका जीजा मानस साइको था। इसलिए वह उससे दूर रहती थी। मानस और दिव्या ने 9 साल पहले लव-मैरिज की थी। प्यार, नफरत में इस कदर बदला कि मानस ने पूरा परिवार ही खत्म कर दिया।

9 साल पहले लव मैरिज, 1 साल पहले पत्नी ने घर छोड़ा

परिजन के मुताबिक, मानस और दिव्या ने 2017 में लव मैरिज की थी। शादी के शुरुआती दिनों में दोनों के रिश्ते ठीक रहे। बाद में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच दूरी बढ़ती गई और दोनों अलग रहने लगे।

2018 में मानस की मां को कैंसर हुआ तो दिव्या दोबारा उसके साथ रहने लगीं। इसी दौरान मानस की बहन को साथ रखने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। 2019 में मानस की मां की मौत के बाद दिव्या फिर अलग हो गईं। कुछ समय बाद दोनों के बीच बातचीत हुई और वे दोबारा साथ रहने लगे।

2025 में बहन को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद बढ़ गया। दिव्या का कहना था कि वह मानस की बहन के साथ नहीं रहेगी। मानस इसके लिए तैयार नहीं था। इसके बाद नवंबर 2025 में दिव्या ने पूरी तरह घर छोड़ दिया।

मानस ने रिश्ता बचाने की कोशिश की और कई बार दिव्या से बातचीत की, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद मामला लखनऊ फैमिली कोर्ट पहुंच गया। जनवरी 2026 में दिव्या ने फैमिली कोर्ट में मुकदमा दायर किया और तलाक की कानूनी प्रक्रिया शुरू हो गई।

मानस के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि वह करीब 3 महीने से बैंक के ऑडिट के काम से शहर से बाहर था। लौटने के बाद उसे 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में होने वाली सुनवाई की जानकारी मिली। वह कोर्ट पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, यहीं उसे करीब डेढ़ करोड़ रुपए की एलिमनी की मांग के बारे में पता चला। इसके बाद वह तनाव में आ गया। पुलिस की जांच के मुताबिक 18 अगस्त की सुनवाई के बाद मानस ने पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। इसके लिए उसने 2 दिन में 3 हथियारों का इंतजाम किया। इनमें दो 9 एमएम पिस्टल और एक तमंचा बताया जा रहा है। पुलिस ने तीनों हथियार बरामद कर लिए हैं। तीनों लोडेड थे। हालांकि, मानस ने ये हथियार कहां से और किससे खरीदे, इसकी जांच की जा रही है।

दिव्या के ममेरे भाई मयंक दीक्षित ने बताया कि 20 अगस्त को दिव्या बैंक के काम से बाहर गई थीं। काम खत्म करने के बाद जब वह दोपहर में कार से ऑफिस पहुंचीं तो मानस वहां पहले से मौजूद था। उसने दिव्या को इशारा करके बुलाया और कहा कि कुछ बात करनी है।

दिव्या उसके पास पहुंची तो मानस ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बैंक के गार्ड और कर्मचारी उन्हें बचाने के लिए दौड़े। इसी दौरान मानस ने दिव्या के माथे में गोली मार दी। गोली लगते ही दिव्या सड़क पर गिर गईं। इसके बाद मानस वहां से भाग निकला।

पीएम फसल बीमा योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा

1 खेत, 1 फसल और 4 बार में उठा लिया, 31 लाख का क्लेम

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में लाखों का फर्जीवाड़ा सामने आया है। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में एक किसान ने एक ही खेत में एक ही फसल का 3 बार खराबा क्लेम उठा लिया।

चौंकाने वाली बात ये है जमीन बटाई (लीज) पर दी हुई थी। बटाईदार ने भी उसी फसल का खराबा दिखाकर 7 लाख से ज्यादा का क्लेम ले लिया। एक ही खेत पर क्लेम उठाने के लिए 7 बार आवेदन किए गए थे।

इनमें से 4 आवेदन मंजूर हो गए और कुल 31 लाख 15 हजार 514 रुपए का क्लेम खातों में पहुंच गया। इस मामले में कृषि विभाग ने बीमा कंपनी पर सवाल उठाए हैं। फर्जीवाड़ा करने वाले किसानों, सीएससी/ई-मित्र संचालकों के साथ बीमा कंपनी के कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच के आदेश दिए हैं। आखिर एक ही खेत की 4 पॉलिसियां क्लेम तक कैसे पहुंच गईं?

एक ही खेत पर 4 बार उठा लाखों का क्लेम

श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ के गांव कालूसर में खसरा नंबर 281/91 का असली मालिक किसान बनवारी लाल है। कुल जमीन 10.37 हेक्टेयर (करीब 40 बीघा) है।

पहला बीमा : किसान बनवारी लाल ने मूंगफली की फसल बोई थी, जिसका उसने बतौर ऋणी किसान खरीफ जुलाई 2025 में बीमा करवाया।

दूसरा बीमा : बनवारी लाल ने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) यानी ई-मित्र संचालक विकास कुमार के जरिए से 10.37 हेक्टेयर जमीन पर ही दूसरा बीमा करवाया।

तीसरा बीमा : किसान बनवारी लाल ने एक दूसरे सीएससी संचालक बिजेश के माध्यम से फिर 10.30 हेक्टेयर जमीन का तीसरा बीमा करवाया।

किसान बनवारी लाल ने तीनों आवेदनों में मूंगफली की फसल खराबा दिखाते हुए कुल 23,35,319 रुपये का बीमा क्लेम उठा लिया।

चौथा बीमा : जमीन के बटाईदार ने भी कराया बीमा

फर्जी तरीके से क्लेम उठाने का सिलसिला यहीं नहीं रुका। बनवारी लाल ने यह जमीन रिछपाल पुत्र गिरधारी को लीज (बंटाई) पर दी हुई थी।

रिछपाल ने भी 15 जून 2025 को मूंगफली की बुवाई दिखाते हुए पूरी 10.37 हेक्टेयर जमीन पर बतौर बटाईदार किसान फसल बीमा करवा लिया। खराबा होने पर रिछपाल ने भी 7 लाख 80 हजार 195 रुपए का क्लेम उठा लिया। इस तरह 4 अलग-अलग पॉलिसी के जरिए कुल 31 लाख 15 हजार 514 रुपए का क्लेम फर्जी तरीके से उठा लिया गया।

अखिलेश-मायावती को योगी सरकार ने दी बुलेट प्रूफ जैकेट

पहली बार 52 नेताओं को बांटी, इनमें राजभर, नंदी, अपर्णा यादव का भी नाम

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर, अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है।

बुलेट प्रूफ जैकेट यूपी सरकार के सुरक्षा मुख्यालय ने खरीदी है। एक जैकेट की कीमत 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। मंत्री संजय निषाद ने कहा- मुझे बुलेट प्रूफ जैकेट पहनना ही नहीं आता। अब तक इसे पहनना नहीं सिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा- 2027 को देखते हुए सरकार ने एहतियातन यह फैसला लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई है। पहले चरण में 8, जबकि दूसरे चरण में अब 44 नेताओं को जैकेट बांटी गई है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर बुलेट प्रूफ जैकेट बांटने की वजह का खुलासा नहीं किया। हालांकि, सुरक्षा मुख्यालय के एक अफसर ने बताया कि पहले बुलेट प्रूफ जैकेट सुरक्षा मानकों में शामिल नहीं थी। इसे अब शामिल किया गया है।

यूपी में 98 नेता ऐसे हैं, जिन्हें किसी न किसी कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। सिर्फ मंत्रियों या विपक्ष के बड़े नेताओं को ही नहीं, बल्कि पश्चिम यूपी में भाजपा के फायरब्रांड नेता संगीत सोम और सुरेश राणा का नाम भी बुलेट प्रूफ जैकेट पाने वालों की लिस्ट में शामिल हैं।

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा दी गई है। इनमें सबसे ज्यादा 26 लोगों को वाई कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। वहीं, 10 को वाई-प्लस, 10 को एस्कॉर्ट के साथ वाई कैटेगरी और एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा 13 लोगों को मिली हुई है।

जड-प्लस की सुरक्षा जिन 12 लोगों को मिली है, उनमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी के साथ अखिलेश यादव और मायावती भी शामिल हैं।

एल एंड टी वेयरहाउस लूटकांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

हजारीबाग, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने लूट की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चुरचू थाना क्षेत्र में एल एंड टी कंपनी के वेयरहाउस में हुई लूट और पेलावल ओपी क्षेत्र की एक अन्य घटना शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गए सामान भी बरामद किए गए हैं। विष्णुगढ़ सीडीपीओ फौजान अहमद ने यह जानकारी दी।

18/19 जुलाई 2026 की रात चुरचू थाना क्षेत्र में एल एंड टी कंपनी के वेयरहाउस में लूट की वारदात हुई थी। अज्ञात अपराधियों ने वेयरहाउस के गार्ड को बंधक बनाकर इस घटना को अंजाम दिया था। इस संबंध में चुरचू थाना कांड संख्या 59/26, धारा 309(4) बीएनएस के तहत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी तरह, पेलावल ओपी क्षेत्र में भी लूट की एक घटना सामने आई थी।

विजय शर्मा बोले-जंगल से नक्सलवाद निकाला, दिमाग से भी निकालेंगे

कहा–तुष्टीकरण के कारण सीमित हुआ वंदे मातरम, भाजपा के विरोध में देश का विरोध न करें

दुर्ग-भिलाई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। दुर्ग में गुरुवार को गृहमंत्री विजय शर्मा ने वंदे मातरम्, नक्सलवाद और जेल में बंद नक्सल मामलों के आरोपियों समेत कई मुद्दों पर सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कांग्रेस की ओर से वंदे मातरम के दो पैरा गाने की बात पर कहा कि देश में जो व्यवस्था तय हुई है, उसका पूरा पालन होना चाहिए।

विजय शर्मा ने कहा कि पहले वंदे मातरम् पूरा गाया जाता था, लेकिन बाद में तुष्टीकरण के कारण इसे सीमित कर दिया गया। अब देश अपने स्वाभिमान और मान-बिंदुओं के साथ खड़ा है, इसलिए वंदे मातरम को लेकर भी पहले की व्यवस्था बहाल होनी चाहिए।

गृहमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी मुद्दे को राजनीतिक विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। भाजपा का विरोध करने के चक्कर में देश का विरोध नहीं होना चाहिए। वंदे मातरम् और तिरंगा किसी राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं।

विजय शर्मा ने कहा कि तिरंगा यात्रा भाजपा की नहीं, बल्कि देश के नागरिकों की यात्रा है। सरकार ने जंगलों से नक्सलवाद को बाहर किया है, जिसके दिमाग में नक्सल होगा, उसे दिमाग से भी निकालेंगे।

दरअसल दुर्ग में 20 अगस्त को भाजपा कोर ग्रुप की बैठक थी, जिसमें शामिल होने उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे थे। इस दौरान दिमागी नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के बयान पर सवाल पूछा गया।

इस पर विजय शर्मा ने नक्सलवाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नक्सल आखिर कहां होता है?

उन्होंने कहा कि नक्सलवाद सिर्फ जंगल में नहीं, बल्कि दिमाग में भी होता है। जब किसी व्यक्ति के दिमाग में नक्सली सोच पैदा होती है, तभी वह हथियार उठाता है।

उन्होंने बस्तर में नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि कई लोगों ने आईईडी विस्फोटों में अपने पैर गंवाए हैं, जबकि कई परिवारों ने अपने लोगों को खोया है। ऐसी हिंसा पर किसी को गर्व कैसे हो सकता है।

विजय शर्मा ने ताड़मेटला में 76 जवानों की मौत का भी जिक्र किया और नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस के पुराने रुख पर सवाल उठाए। विजय शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार के खिलाफ बोलने और उसकी आलोचना करने की पूरी आजादी है। सरकार से सवाल करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, समाज में वैमनस्य फैलाना या देश में अराजक स्थिति पैदा करने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

जेल में बंद नक्सल आरोपियों के मामलों की समीक्षा

गृहमंत्री ने सालों से जेल में बंद नक्सल मामलों के आरोपियों को लेकर सरकार की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों में करीब 1300 लोग जेल में बंद हैं। इन मामलों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर समीक्षा की जा रही है।

भोजशाला के पास 500 नमाजियों ने अदा की नमाज

इलाका सफेद पर्दों से कवर, दोनों समुदायों की एंट्री–एग्जिट अलग, हिंदू संगठनों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

धार, 21 अगस्त (एजेंसियां)। धार में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर मुस्लिम समुदाय ने जुमे की नमाज अदा की। यह नई व्यवस्था के तहत चौथा शुक्रवार है। इस बार नमाजियों की संख्या पिछले शुक्रवारों से अधिक रही। करीब 400 से 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर पहुंचे। मुख्य द्वार तक नमाजियों की भीड़ रही।

नमाज को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भोजशाला और नमाज स्थल, दोनों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। नमाज स्थल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। पूरे इलाके को सफेद पर्दों से कवर कर दिया गया, ताकि कहीं से भी कोई प्रवेश न कर सके। दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए थे।

जुमे की नमाज के दौरान भोजशाला में दोपहर को हनुमान चालीसा का पाठ और भजन-कीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु पूजन-दर्शन करते रहे। घंटे-घड़ियाल, झांझ-मंजीरे और शंख की ध्वनि गूंजती रही। भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2026 को तय की गई है। सभी पक्षों को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

भोज उत्सव समिति के संरक्षक विश्वास पांडे ने कहा, हम तो प्रत्येक शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आए हैं और करते रहेंगे। हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार हिंदू समाज को मिला है, उसी के तहत हम पूजा-पाठ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- उससे (नमाज से) हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमें तो सिर्फ सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार मिला है, उसका हम माननीय न्यायालय के आदेश के तहत पालन कर रहे हैं और करते रहेंगे। भोजशाला हिंदुओं का मंदिर है। मां सरस्वती का स्थान है।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड में 4 की जगह अब 2 लाख

पटना, 21 अगस्त (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के 7 निश्चय योजना के तहत शुरू हुए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में सम्राट सरकार ने बदलाव किया है। अब बिहार के छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख की जगह 2 लाख ही मिलेंगे। सरकार ने एक तरफ योजना को 2026 से 2031 तक जारी रखने और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 950 करोड़ रुपए मंजूर किया है। वहीं स्टडी लोन आधा हो गया है। सरकार के फैसले पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने X पर पोस्ट किया- 'सरकार का खजाना खाली है। बिहार में उच्च घाटे के साथ-साथ भारी कर्ज का बोझ अत्यधिक चिंता का विषय है।

यूपी के 13 जिलों में बाढ़, बाजार में नावें चलीं

मंत्री बाढ़ प्रभावितों से मिलने ट्रैक्टर से पहुंचे, 65 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं।

बहराइच के कई गांव जलमग्न हैं। गुरुवार को मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। लोगों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। रसूलाबाद से नागवासुकी मंदिर तक जाने वाली रिवर फ्रंट रोड डूब गई है। गंगा का पानी 'लेटे हुए' हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक पहुंच गया है।

काशी में विश्वनाथ मंदिर का गंगा द्वार बंद कर दिया गया है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए हैं। अब हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों पर, जबकि मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। नमो घाट जलमग्न हो गया है।

शुक्रवार तड़के प्रयागराज और कौशांबी समेत 5 जिलों में बारिश हुई। सुबह से काले घने बादल छाए हैं। प्रयागराज में 5 दिन से लगातार रुक-रुक बारिश हो रही है। दारागंज, करेली और सलोरी जैसे इलाकों में घरों में 3-3 फीट पानी भरा है। 2 हजार से ज्यादा छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है।

इधर, लखनऊ, कानपुर और वाराणसी समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। बादलों की आवाजाही के बीच हल्की हवाएं चल रही हैं। आज मौसम विभाग ने 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पिछले 72 घंटे की बात करें तो बारिश की वजह से मकान ढहने से 6 लोगों की मौत हुई है। मिर्जापुर में 3, जौनपुर में 2 और अमेठी में 1 की जान चली गई।

कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट झंडु के भाई बख्तियारपुर स्टेशन से लापता

नालंदा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडु कुमार के बड़े भाई संतोष पासवान संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। गुरुवार देर रात वे हरनौत स्थित अपने घर से एक ऑटो के जरिए बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है।

परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान होकर स्टेशन और आसपास के इलाकों में उनकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन संतोष का शुक्रवार दोपहर बाद तक कुछ पता नहीं चल पाया।

संतोष के भाई कुंदन कुमार ने बताया कि परिवार का आलू-प्याज और सब्जी का कारोबार है। संतोष पिछले चार-पांच दिनों से दुकान नहीं खोल रहे थे और दिनभर घर पर रहते थे। इसी बात को लेकर गुरुवार को घर में उनका पत्नी के साथ विवाद और कहासुनी हो गई थी। पारिवारिक तनातनी और गुस्से के माहौल में संतोष रात करीब 9 बजे घर से निकल गए। जल्दबाजी और गुस्से में वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ गए, जिसके चलते उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

परिवार के सदस्यों का कहना है कि घर में किसी प्रकार का कोई विवाद या कलह नहीं था और न ही उनकी किसी से कोई पुरानी रंजिश थी। मां-पिता हरनौत बाजार में सड़क किनारे आलू-प्याज बेचकर घर चलाते हैं। पूरा परिवार एक किराए के कमरे में रहता है। भाई कुंदन कुमार ने बताया कि संतोष जब काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान हरनौत के ही एक स्थानीय ऑटो ड्राइवर ने बताया कि संतोष उसी के ऑटो में बैठकर बख्तियारपुर गए थे। ड्राइवर ने उन्हें रात में बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन के ठीक नीचे सड़क किनारे छोड़ा था। इसके बाद वे स्टेशन के भीतर गए या कहीं और निकल गए। शुक्रवार सुबह परिजन स्टेशन परिसर के सीसीटीवी कैमरों को खंगलवाना शुरू किया, लेकिन दोपहर बाद तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया। परिवार के कुछ लोग संतोष की तस्वीर लेकर मार्केट और अन्य इलाकों में उन्हें ढूंढने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

गुजरात में जहरीली शराब पीने वाला एक शख्स ब्रेन डेड

दो दिनों में 8 की मौत, 5 की हालत गंभीर, 25 लोगों का इलाज चल रहा

भावनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शराबबंदी वाले गुजरात में नकली शराब से अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, शुक्रवार को सूरत में रहने वाले संजयसिंह डोडिया नाम के एक युवक को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इस युवक ने भी 16 अगस्त की रात को भावनगर में शराब पार्टी की थी।

शराब पीने के बाद संजय रात को ही सूरत लौट आया था। सुबह तक उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी। उसे सूरत के आईएनएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। संजय पिछले तीन दिनों से वेंटिलेटर पर था। गुरुवार की रात संजय को हार्ट अटैक आया और आज सुबह उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। भावनगर में अब भी 25 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, इनमें 5 की हालत गंभीर है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मामला 16 अगस्त की रात घोघा के खरकड़ी गांव से शुरू हुआ। यहां एक युवक ने पुलिस में भर्ती होने की खुशी में शराब पार्टी रखी थी। शराब घनश्याम नाम के एक तस्कर से ली गई थी। नकली शराब विदेशी बोतलों में भरी थी। पार्टी के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ लोगों की हालत इतनी तेजी से बिगड़ी कि उन्हें अस्पताल पहुंचाने का भी वक्त नहीं मिला।

सुसाइड करने पहुंचे बेटे को बचाने में मां-बाप की भी मौत

छत्रपति संभाजीनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को माता-पिता और बेटे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। 18 साल का युवक सुसाइड करने के इरादे से पहाड़ी पर पहुंचा था।

पिता उसे चट्टान से पीछे खींचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे की मौत अपनी आंखों के सामने देखने के बाद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। तीनों की मौत हो गई। घटना तिसगांव इलाके के खावड्या पहाड़ की है। लड़का सुसाइड क्यों करने पहुंचा था इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि तिसगांव के पूर्व सरपंच का दावा है कि सुसाइड करने वाला लड़का आईफोन लेना चाहता था।

पुलिस ने बताया कि कुणाल चंदगुड़े (19) सुबह करीब 10 बजे पहाड़ी पर चढ़ गया था। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन की मांग को लेकर माता-पिता से हुए झगड़े के बाद उसने आत्महत्या करने का इरादा किया था। छत्रपति संभाजीनगर के ज़ल्टा फाटा इलाके में रहने वाले उसके माता-पिता, मुरलीधर (48) और संगीता चंदगुड़े, उसे रोकने के लिए वहां पहुंचे। गांव के लोग भी उनके साथ पहुंचे। करीब तीन घंटे तक लोग उसे नीचे आने के लिए कहते रहे। उन्होंने कुणाल से कहा कि वह नीचे आ जाए, उसे मोबाइल फोन देने की बात भी कही।

रणदीप हुड्डा के बर्थडे पर लिन लैशराम ने लुटाया प्यार
बोलीं- आपकी मासूमियत हमेशा बनी रहे

अभिनेता रणदीप हुड्डा गुरुवार को 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 20 साल से ज्यादा लंबे फिल्मी सफर में रणदीप ने कई तरह के किरदार निभाए हैं और अपनी अलग पहचान बनाई है। जन्मदिन पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री लिन लैशराम ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर कीं, जिनमें रणदीप अपनी बेटी न्योमिका और अपने पालतू जानवरों के साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ लिन ने प्यार भरा मैसेज भी लिखा। लिन ने लिखा, "न्योमिका के पापा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपका आइसक्रीम का बाउल हमेशा भरा रहे और तुम्हें कभी कैलोरी गिनने की जरूरत न पड़े। जंगलों में और भी बहुत सारे घर हों, घूमने के लिए खेत हों और दुनिया के हर कोने में एडवेंचर हों।" लिन ने अपने पोस्ट में लिखा, "आप कभी अपनी खूबसूरत मासूमियत न खोएं। आपके अंदर जो जिज्ञासा, उत्साह और अलग अंदाज है, वही आपको खास बनाता है। मेरी कामना है कि आपकी जिंदगी अच्छे दोस्तों, खुशहाल परिवार, हंसी और ढेर सारे प्यार से भरी रहे।"

अपने मैसेज के आखिर में लिन ने दोनों की अब तक की यात्रा और साथ में बनाई गई यादों को याद किया। उन्होंने लिखा, "हम अब तक जिन जगहों पर गए हैं और वहां जो यादें बनाई हैं, वे मेरे लिए खास हैं। अभी कुछ जगह ऐसी है, जहां हमारा घूमना बाकी है। आई लव यू।"

रणदीप और लिन की प्रेम कहानी भी काफी दिलचस्प है। दोनों की पहली मुलाकात दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप 'मोटले' में हुई थी। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे को जानने लगे और धीरे-धीरे उनके बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। कोरोना महामारी के दौरान जब देश में लॉकडाउन लगा था, तब दोनों ने साथ रहना शुरू किया।

इसके बाद रणदीप और लिन ने 29 नवंबर 2023 को शादी कर ली। दोनों ने मणिपुर में पारंपरिक मैतेई रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी की तस्वीरों में दोनों पारंपरिक कपड़ों में नजर आए थे। उनकी शादी के बाद उनकी जिंदगी में एक और बड़ी खुशी आई, जब दोनों माता-पिता बने।

मार्च में रणदीप और लिन की बेटी न्योमिका का जन्म हुआ। रणदीप ने सोशल मीडिया के जरिए बेटी के जन्म की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी का जन्म उनके पिता के जन्मदिन के दिन हुआ।

आम्रपाली दुबे की इंस्टाग्राम फैमिली हुई 60 लाख की
फैंस को कहा-'तहे दिल से धन्यवाद'

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे फैंस के बीच अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया सक्रियता के लिए भी जानी जाती हैं। अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 60 लाख फॉलोअर्स हो गए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने खुशी एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे 'तितली शहर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ लिपसिंक करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने फैंस को धन्यवाद देते हुए लिखा, ₹60 लाख की मजबूत इंस्टाग्राम फैमिली बन गई है। सभी को इतना प्यार देने के लिए तहे दिल से धन्यवाद।₹ अभिनेत्री आम्रपाली इन दिनों सोशल मीडिया बयानों और जियो हॉटस्टार शो 'भोजपुरी बवाल' पर अपने द्वारा दिए गए बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने शो मे कहा कि वह बिना शादी किए मां बनना चाहती हैं, जिस पर उनके परिवार ने ऐतराज जताया है। हालांकि, बाद में उनकी मां इस बात से राजी हो गई।

इसके साथ ही शो के प्रोमो में दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ उनके रिश्तों और गॉसिप को लेकर भी नोंकझोक और भावुक पल देखने को मिले हैं। दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे ने साल 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' से साथ काम करना शुरू किया था और करीब 35 फिल्मों में पति-पत्नी का किरदार निभाया है।

फिल्मों में लगातार साथ काम करने और शादी के सीन्स होने के कारण अक्सर दोनों की गुप्त शादी या अफेयर की खबरें आती रहती हैं, जिन्हें दोनों ने हमेशा खारिज किया है। हालांकि, आम्रपाली ने स्पष्ट भी किया है कि निरहुआ का परिवार उनके अपने परिवार जैसा है और वह उनके बच्चों के काफी करीब हैं, लेकिन उनके बीच पेशेवर रिश्ते से बढ़कर कुछ नहीं है।

हाल ही में अभिनेत्री काजल राघवानी ने शो भोजपुरी बवाल में दोनों की रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही, काजल राघवानी ने दोनों के रिश्ते को लेकर बात की थी। उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में आम्रपाली दुबे से यह सवाल किया था कि क्या वह दिनेश लाल यादव (निरहुआ) को लेकर उनसे असुरक्षित महसूस करती हैं और क्या आम्रपाली की वजह से निरहुआ उनके साथ फिल्में नहीं करते हैं।

प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास, बोलीं-'फिल्म से कहीं ज्यादा यादें लेकर लौटी हूं'

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई।

'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा. फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।

उन्होंने कहा, इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।

अभिनेत्री ने कहा, जब हमने आखिरकार फिल्म की शूटिंग पूरी की तो मुझे एहसास हुआ कि हम इस सफर से फिल्म के अलावा भी कितना कुछ अपने साथ लेकर जा रहे हैं। हमने बहुत सारे सीन शूट किए, हजारों यादें बनाईं, और साथ में हंसी के बहुत सारे पल बिताए। यह उन यात्राओं में से एक थी, जहां जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, वे आपकी यादों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। यह सच में बहुत खूबसूरत सफर रहा। प्रिया ने फिल्म के निर्माता नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए मैं दोनों की आभारी हूं।

राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने संगीत को भावनात्मक और मजबूत बनाया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म के किरदारों और उसमें दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे। यह फिल्म 21 अगस्त 2026 यानी आज दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी है।

मैं सिंगिंग को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था : शान

प्लेबैक सिंगर शान ने अपनी सुरीली आवाज और अलग-अलग तरह के गानों से भारतीय संगीत की दुनिया में खास पहचान बनाई है। एक समय ऐसा था, जब उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था कि वह भी इसी क्षेत्र में अपनी जगह बना पाएंगे। उन्हें लगता था कि वह अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी हैं। इसके चलते वह शुरुआत में गायकी में करियर नहीं बनाना चाहते थे। शान ने फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा के पॉडकास्ट 'गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज' में शुरुआती दिनों और संगीत के सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पिता संगीतकार और अच्छे गायक थे। इसके अलावा उनके दादा, मां और बहन भी अच्छा गाते थे। ऐसे माहौल में बड़े होने के बावजूद, उन्हें लगता था कि उनकी गायकी परिवार के बाकी सदस्यों के मुकाबले कमजोर है।

शान ने कहा, मैं अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी था। मेरे पिता संगीतकार और बहुत अच्छे गायक थे। मेरे दादा, मां और बहन भी अच्छे गायक थे। सच कहूं तो मुझे हमेशा लगता था कि संगीत के मामले में मैं अपने परिवार में सबसे कमजोर था।

उन्होंने कहा, बड़े होते समय मेरे अंदर विद्रोही सोच थी। मैं पत्रकारिता और विज्ञापन करना चाहता था, इसलिए मेरा ध्यान उन चीजों की तरफ था। गायकी मेरे लिए स्वाभाविक रूप से आई। मैंने इसके लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था।

शान ने आगे कहा, लोग अक्सर मानते हैं कि गायकी की प्रतिभा परिवार से मिलती है, लेकिन मैं इसे जेनेटिक चीज नहीं मानता। मैं इसे कंडीशनिंग मानता हूं। जिस माहौल में कोई बच्चा बड़ा होता है, उसका असर भी उसकी प्रतिभा पर पड़ता है। घर में लगातार संगीत का माहौल होने की वजह से मेरे अंदर भी गायकी धीरे-धीरे आती गई।

शान ने कहा, मुंबई में रहने और माता-पिता के गायक होने की वजह से मुझे कम उम्र में ही गाने के कई मौके मिलने लगे थे। हालांकि, उस समय मैंने कई मौकों को ठुकरा दिया था। मैं गायकी को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था। बाद में लगातार मिलते अवसरों के कारण मैंने आखिरकार इसे स्वीकार कर लिया।

उन्होंने बताया कि उनकी मां कोरस सिंगर थीं और उनके पिता से संगीत की दुनिया में कई लोग परिचित थे। जब उन लोगों को पता चला कि शान और उनकी बहन भी गा सकते हैं, तो उन्हें बहुत कम उम्र में विज्ञापनों के लिए गाने का मौका मिला।

'दिल तो पागल है' के सेट पर पहली बार करिश्मा-गीता की मुलाकात

1997 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की फिल्म 'दिल तो पागल है' ने प्यार, दोस्ती और डांस को एक साथ पर्दे पर बेहद खूबसूरत अंदाज में पेश किया था। फिल्म के कलाकारों के साथ इससे जुड़े कई लोग भी आज तक इसकी यादें अपने साथ लिए हुए हैं। अब अभिनेत्री करिश्मा कपूर और कोरियोग्राफर गीता कपूर ने भी फिल्म से जुड़ा एक पुराना किस्सा साझा किया है। दोनों ने बताया कि उनकी पहली मुलाकात उस समय हुई थी, जब गीता अपने करियर की शुरुआत कर रही थीं और करिश्मा पहले से ही एक बड़ी स्टार बन चुकी थीं। यह यादें डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में साझा की गई। शो के इस एपिसोड की थीम 'इंडिया वाला डांस' थी। इसी दौरान करिश्मा और गीता ने 'दिल तो पागल है' के गाने 'प्यार कर' की शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि दोनों की पहली मुलाकात कैसे हुई थी।

गीता ने कहा, "साल 1996 में जब 'दिल तो पागल है' की शूटिंग चल रही थी, तब मैं बतौर असिस्टेंट कोरियोग्राफर करियर की शुरुआत कर रही थी। मैं फिल्म के 'प्यार कर' गाने के सीक्वेंस पर काम कर रही थी। इसी दौरान मेरी मुलाकात करिश्मा से हुई। उस समय करिश्मा पहले से ही एक बड़ी और जानी-मानी स्टार थीं। उन्होंने मेरे साथ बहुत प्यार और सम्मान से व्यवहार किया।"

गीता ने पहली मुलाकात को याद करते हुए आगे बताया, "मुझे आज भी करिश्मा की पहली झलक याद है। उन्होंने उस समय हल्के नीले रंग का गाउन पहना हुआ था और वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। करिश्मा तब भी बहुत खूबसूरत थीं और आज भी हैं। एक नई असिस्टेंट होने के बावजूद मुझे उनकी तरफ से कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह किसी बड़ी स्टार से बात कर रही हैं।"

इसके बाद करिश्मा कपूर ने भी गीता के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, "भले ही हम दोनों ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया, लेकिन मैंने कई स्टेज शो साथ किए हैं। गीता एक ऐसी कोरियोग्राफर हैं, जो कलाकारों से उनकी पूरी क्षमता के हिसाब से काम करवाती हैं।"

करिश्मा ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए कहा, "एक स्टेज शो के दौरान बाकी कलाकारों को आसान डांस स्टेप दिए जा रहे थे, लेकिन गीता ने मुझे काफी मुश्किल स्टेप दिया। मुझे समझ ही नहीं आया कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। मैंने गीता से शिकायत करते हुए पूछा कि बाकी लोगों को आसान स्टेप दिए गए हैं, तो मुझे इतना मुश्किल स्टेप क्यों दिया गया है?"

करिश्मा ने कहा, "इस पर गीता ने मुझे भरोसा दिलाया कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं।"

'धमाल 4' के डायरेक्टर इंद्र कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज
डिस्ट्रीब्यूटर ने लगाए करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोप

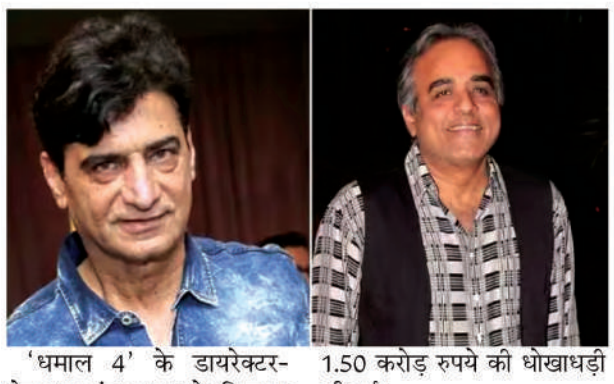

'धमाल 4' के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर इंद्र कुमार के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। यह खबर ऐसे समय आई है, जब उनकी हालिया रिलीज 'धमाल 4' ने वर्ल्डवाइड 229.91 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है। एक फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इंद्र कुमार के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी के संगीन आरोप लगाए हैं।

आरोप फिल्म के राइट्स बेचने से जुड़े हैं, जिसमें कंपनी ने 1.50 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। वहीं, इस मामले में प्रोड्यूसर अशोक ठकेरिया का नाम भी सामने आया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

1.50 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

फिल्म 'धमाल' के डिस्ट्रीब्यूशन, डिजिटल और कॉपीराइट राइट्स बेचने के नाम पर कथित धोखाधड़ी के मामले में डायरेक्टर इंद्र कुमारऔर प्रोड्यूसर अशोक ठकेरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अंधेरी वेस्ट स्थित फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी 'ग्रैंड मास्टर' के मालिक 53 साल के विकास बलदेवराज साहनी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ करीब 1.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

2019 में हुई थी राइट्स की डील

एफआईआर के मुताबिक, 15 अक्टूबर 2019 को 'ग्रैंड मास्टर' और 'मारुति इंटरनेशनल' के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत संजय दत्त, अरशद वारसी और रितेश देशमुख स्टारर 'धमाल' के वर्ल्डवाइड डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स और कॉपीराइट 1.50 करोड़ रुपये में स्थायी तौर पर खरीदे गए थे। विकास बलदेवराज का दावा है कि डील के समय उन्हें बताया गया था कि फिल्म के अधिकार किसी अन्य पार्टी को नहीं बेचे गए हैं।

विकास के अनुसार, बाद में 'ग्रैंड मास्टर' को पता चला कि फिल्म के लाइफटाइम OTT और डिजिटल राइट्स 2015 में ही 'शेमारू एंटरटेनमेंट' को दिए जा चुके थे। जनवरी 2020 में अशोक ठकेरिया ने कथित तौर पर एग्जिबिटर के ऑफिस जाकर इस पुराने समझौते की जानकारी दी। इसके बाद 29 अक्टूबर 2020 को मारुति इंटरनेशनल और शेमारू के बीच एक सप्लीमेंट्री एग्रीमेंट भी हुआ, जिसमें निर्माता के पास सिर्फ एक सैटेलाइट चैनल के अधिकार रहने की बात कही गई।

कॉपीराइट सर्टिफिकेट भी मिला

विकास साहनी के मुताबिक, 'ग्रैंड मास्टर' ने 20 मार्च 2020 को फिल्म के सिनेमैटोग्राफ कॉपीराइट के लिए आवेदन किया था। बाद में 28 अप्रैल 2023 को कॉपीराइट ऑफिस ने कंपनी को CF-5230/2023 सर्टिफिकेट जारी किया। शिकायतकर्ता का दावा है कि फिल्म का ओरिजिनल नेगेटिव और कॉपीराइट से जुड़े दस्तावेज उनके पास हैं और उन्होंने पुलिस को अपनी ओनरशिप के समर्थन में कई दस्तावेज सौंपे हैं।

करोड़ों के नुकसान का दावा

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कथित धोखाधड़ी के चलते ग्रैंड मास्टर की दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ प्रस्तावित बिजनेस डील्स रद्द हो गईं, जिससे कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने 17 अगस्त 2026 को इंद्र कुमार और अशोक नवलकुमार ठकेरिया के खिलाफ BNS की धारा 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2007 से शुरू हुआ 'धमाल' का सफर, 4 फिल्मों तक पहुंची फ्रेंचाइजी

धमाल फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी। पहली फिल्म 'धमाल' 7 सितंबर 2007 को रिलीज हुई थी। इसके बाद 'डबल धमाल' 24 जून 2011 को सिनेमाघरों में आई। करीब आठ साल बाद 'टोटल धमाल' 22 फरवरी 2019 को रिलीज हुई, जिसमें अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित भी नजर आए। इसके बाद 'धमाल 4'10 जुलाई 2026 को रिलीज हुई, यानी पिछली फिल्म के करीब सात साल बाद यह फ्रेंचाइजी बड़े पर्दे पर वापस आई।

'पापा ने बहन को 1 रुपये में हलवाई को बेचा' : कंगना शर्मा
दिल दहला देने वाली कहानी बयां की

ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्म के अलावा 'मोना होम डिलीवरी', 'ब्लैकमेल' और 'लेट्स प्ले ब्लाइंड' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने एक इंटरव्यू में अपनी दिल दहला देने वाली कहानी बयां की है। कंगना ने बताया कि उनके पिता उन्हें, उनकी मां और बहन को बहुत पीटते थे। कंगना के मुताबिक, पिता ने तो उनकी बहन को एक रुपये में एक हलवाई के हाथों बेच दिया और गंदी-गंदी बातें सुनाते हुए कहा था कि तुम कोठा खोल लो। कंगना शर्मा बहन की दर्दनाक आपबीती बताते हुए रो पड़ीं। आज कंगना के पास रुपया-पैसा सब है, पर बहन की कमी खलती है और पछतावा होता है कि वह बहन को बचा नहीं पाईं। बहन के साथ क्या कुछ हुआ था, इसका खौफनाक वाकया कंगना ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया है।

बहन के मुंह में कपड़ा था, हाथ बांधे थे और पति जबरदस्ती कर रहा था

कंगना शर्मा ने बताया, 'जिस घर में मेरी बहन की शादी हुई, बाद में पता चला कि वहां वैश्यावृति का काम होता है। हमारे यहां शादी के बाद फर्स्ट नाइट पर सुलाया नहीं जाता दूल्हा-दुल्हन को...उस दिन छापे-वापे लगते हैं। अगले दिन जब दुल्हन पगफेरे के बाद ससुराल वापस आती है, तब उनकी फर्स्ट नाइट होती है। तो पगफेरे पर मैं बहन के साथ उसके ससुराल गई थी। मैं 14 साल की थी और रात में वॉशरूम जाने के लिए उठी। मैंने देखा कि मेरी बहन के मुंह में कपड़ा डाला हुआ था, हाथ बांधे हुए थे और वो इंटिमेट एक्ट कर रहे थे। वो पहली रात थी। मैं डर गई। मैंने किसी को कुछ नहीं बताया। मेरी बहन भी डर गई थी। वो मुझसे बोली कि तू कैसे भी करके मुझे घर ले चल। मैं कुछ नहीं कर सकी। मैं छोटी थी मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था।'

घर में कई तहखाने बने थे जहां से लोग निकल रहे थे

कंगना ने आगे बताया, 'उसके ससुर आए और बोले कि आ जाओ तुम्हें घर दिखाता हूं। मेरी बहन बोली कि नहीं, नहीं इसको घर नहीं देखना। ये ठीक है इसको मेरे साथ ही छोड़ दो। तो मैंने कहा कि नहीं, नहीं मैं तो देखूंगी घर मौसा जी के साथ। तो वो मुझे नीचे लेकर गए। एक तहखाना बना हुआ, दूसरा और तीसरा तहखाना बना हुआ है। वहां से लोग निकल रहे हैं। तो मेरी बहन मेरा हाथ छुड़वाकर मुझे वहां से ऊपर लेकर आ गई। वो बोली कि घर चलते हैं, फिर बात करते हैं।'

पापा ने बहन को थप्पड़ मारा, खून बहने लगा, वो वापस ससुराल गई

कंगना के मुताबिक, उनकी बहन उन्हें लेकर घर वापस आ गई और पिता से मना कर दिया कि वह ससुराल नहीं जाएगी। लेकिन पिता ने थप्पड़ मारा और फिर खूब सुनाया। कंगना के मुताबिक, बहन के ससुरालवाले उसे नशे की गोलियां और न जाने क्या-क्या चीजें देकर वेश्यावृत्ति का काम करवाते थे। वह बोलीं, 'फिर हम घर गए और मेरी बहन ने बोला कि पापा मैं अब उस घर में नहीं जाऊंगी। तो मेरे पापा ने उसे थप्पड़ मारा। उसकी नाक से खून आया बहुत। पापा बोले कि तुम लड़कियां कहीं नहीं टिकोगी। अब शादी हो गई है और तुम्हें वहां पर भी नहीं टिकना है। तो फिर वापस वो चली गई। एक हफ्ते तक उसका कुछ अता पता नहीं था। उस टाइम एसटीडी फोन यूज होते थे। मैंने मम्मी से बोला कि मम्मी घर ठीक नहीं है। मुझे ठीक नहीं लग रहा। मैंने बात नहीं बताई। एक हफ्ते तक हम बहन को कॉल करते रहे, करते रहे पर कुछ पता ही नहीं चला।'

एक साल तक बिस्तर पर रही बहन, नशे की गोलियां देते थे

वह आगे बोलीं, 'फिर मेरे पापा गए। मेरी बहन साइड से दूसरे घर में चिट्ठियां डालती थी कि मुझे बचा लो। मेरे घरवालों को बता दो, मुझे बचा लो। मेरे पापा गए तो उन्हें घर से निकाल दिया। पापा को कुछ एक्टिविटी वहां दिखी तो वो गए अंदर। मेरी बहन बोली कि कैसे भी करके वहां से निकालें। मेरी बहन इतने ट्रॉमा में थी कि एक साल तक बेड से नहीं उठी। बाद में पता चला कि उसे नशे की गोलियां देते थे। पता नहीं क्या क्या चीजें मिलाकर देते थे। भगवान जाने क्या हुआ था उसके साथ।'

हलवाई से 1 रुपये में शादी करवा दी, उसने भी जबरदस्ती की

कंगना ने बताया कि पापा ने उनकी बहन का तलाक करवा दिया, लेकिन फिर एक एक रुपये में किसी हलवाई के साथ शादी करवा दी और उसने पहली ही रात उनकी बहन के साथ जबरदस्ती की। कंगना के मुताबिक, जब बहन ने तुरंत शादी से इनकार किया तो पापा ने उसे गंदी-गंदी बातें बोलीं और गालियां दी थीं। कंगना बोलीं, 'पापा ने उसका तलाक करवा दिया, लेकिन फिर से उसकी शादी करवा दी। वो एक रुपया देकर आ गए और हलवाई के साथ शादी फिक्स कर दी। बहन ने मना किया और कहा कि मैं तैयार नहीं हूं, तो पापा ने कहा कि तो फिर कोठा खोल लो, तुम ये हो, तुम र**यां हो। हमसे अगर कुछ भी गलती हो गई तो गंदा-गंदा बोलते थे। गालियां देते थे।'

बहन को कैंसर और टीबी हुआ, मौत हो गई

'हलवाई से शादी हो गई तो उसने पहली रात में ही शुरू कर दिया और बोलने लगा कि पहले वाले के साथ तो करवाकर आ गई। उसके साथ करके आई है तो यहां भी कर। बहन ने कहा कि मुझे टाइम दो थोड़ा। मुझे फिजिकल टच से डर लगता है। वहां से दो साल के अंदर उसकी ऐसी हालत हो गई कि उसे टीबी हो गया, उसको कैंसर भी हो गया और हमें पता तक नहीं चला। उसे कुछ दिखता नहीं था। आज तक मुझे इस बात का पछतावा है कि मैं अपनी बहन को नहीं बचा पाई।'

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com